एक नजर में

रमेश नाथ को पितृ शोक

ब्यावरा 22 अप्रैल,का.

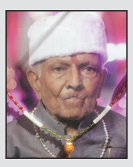

समाजसेवी और सर्वीस प्रोवाईडर रमेश नाथ, राजेश नाथ और दिनेश नाथ के पूज्य पिताश्री डॉ हरिवल्लभ नाथ का विगत दिवस 80 वर्ष की आयु में नि:धन हो गया. उनके नि:धन से जूना ब्यावरा क्षेत्र सहित सभी उनके मिलने जुलने वालों, परिवारजनों में शोक का वातावरण निर्मित हो गया. डॉ नाथ बेहद सहज, सरल स्वभाव और धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे. उनके नि:धन पर अनेकों लोगो ने दिवंगत आत्मा को शोक श्रद्धांजलि अर्पित की है.

राज्यवर्धन एमबीबीएस कर बने डॉक्टर

पड़ाना 22 अप्रैल, सं. गांव

मगराना निवासी देवकरण मालवीय के सुपुत्र राज्यवर्धन मालवीय ने कड़ी मेहनत और अटूट लगन से एमबीबीएस की डिग्री हासिल कर ली है. अब उनका नाम डॉ. राज्यवर्धन मालवीय हो गया है. राज्यवर्धन ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और गुरुजनों को दिया. उन्होंने कहा कि सालों की मेहनत और रात-दिन की पढ़ाई के बाद सफेद कोट और स्टेथोस्कोप पहनने का सपना पूरा हुआ. उनकी इस उपलब्धि पर विधायक प्रतिनिधि धर्मेंद्र गुर्जर, सरपंच महेश गुर्जर, देवीलाल मालवीय, चिराग पाटीदार, राजेश जाट, भारत गुर्जर सहित गांव के लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

बच्चों को शिक्षा से जोड़ने परिजनों को समझाया

राजगढ़ 22 अप्रैल, का. कलेक्टर गिरीश मिश्रा और जिला महिला बाल विकास अधिकारी श्याम बाबू खरे के निर्देशन में बाल कल्याण समिति, महिला बाल विकास विभाग, पुलिस की संयुक्त टीम ने श्री भैंसवा माता जी मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में भिक्षावृत्ति की दृष्टि से भ्रमण किया. जिसमें वहां बच्चों और उनके परिवारजनों से चर्चा करते हुए समझाइश दी, साथ ही मंदिर में उपस्थित सभी मंदिर में पूजा करवाने वाले पंडा पण्डितो के समूह को समझाइश देकर बच्चों को स्कूल से जोड़ने और शासन की योजनाओं से जोड़ने संबंधी जानकारी दी. बाल कल्याण समिति अध्यक्ष साकेत शर्मा ने बताया कि कुछ बच्चे मिले है जो उनकी जानकारियां दर्ज की है उनको स्पॉन्सर केयर योजना, जैसी अन्य शासन की योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा, लगभग सभी बच्चे स्कूल जाते है ऐसा बच्चों ने जानकारी दी है कोई भी बच्चा भिक्षावृत्ति में नहीं रहे यही प्रयास बाल कल्याण समिति का है. इस भ्रमण में जिला बाल कल्याण समिति सदस्य सलमा कुरेशी, संरक्षण अधिकारी सुश्री रिंकी धाकड़, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वर्षा शर्मा सहित संबंधित लीमा चौहान थाना के पुलिस अधिकारी साथ थे.

जमीन बेचना है

2 बीघा जमीन कचनारिया टोल प्लाजा धर्म काटा से लगी भूमि बाईपास ब्यावरा से 2 किमी भोपाल रोड नेशनल हाईवे क्रमांक 46 पर फ्रंट लगभग 300 फीट स्कूल कॉलेज दुकान होटल बिजनेस हेतु उपयुक्त डिमांड 2.5 ढाई करोड़ रूपये.
मो. नं. - 7803874337
बिल: 26 अप्रैल

दवाएं नहीं जहरीले सांप निकलते हैं इस अस्पताल से

50 गांवों को उपचार देने वाले गिंदौरहाट के सरकारी अस्पताल की बिल्डिंग खण्डहर बनी, घूरे से घिरा स्वास्थ्य केन्द्र

गिंदौरहाट में घूरे के ढेर में समा रहा वर्षों पुराना अस्पताल
ग्रामीण अंचलों में चिकित्सा सुविधाएं हाशिए पर
बड़ी आबादी वाले गांवों में जरूरत के समय नहीं मिलता उपचार

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 22 अप्रैल, का. आसपास के करीब 50 गांवों के व्यवसाय और स्वास्थ्य का प्रतिनिधित्व करने वाले गिंदौरहाट में पिछले 15 सालों से अस्पताल जैसी सरकारी और जरूरी सुविधा घूरे के ढेर से घिरी हुई है. ये घूरे के ढेर कचरे से नहीं बल्कि सरकारी अनदेखी से जमा हुए है. हाशिए पर नजर आ रही ये जर्जर ईमारत कभी आसपास के गांवों के लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल करती थी. लेकिन अब यह खुद मृतप्राय हो चुकी है.

गिंदौरहाट जैसा गांव केवल एक उदाहरण है, यदि 3 हजार से अधिक आबादी वाले गांवों में नजर डाली जाए तो जिले में ऐसे और भी उदाहरण नजर आने लगेंगे. जानकारी के अनुसार हायर सेकेण्डरी स्कूल, सोसायटी और पंचायत भवन से समृद्ध गिंदौरहाट गांव में कभी एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भी हुआ करता था. गांव में प्रवेश करते हुए मेन रास्ते पर वह अस्पताल भवन अब तक वीरान, जर्जर भवन बनकर रह गया है.

यहां एक नर्सिंग स्टाफ की तैनाती भी थी. लेकिन अस्पताल की ओर किसी ने ध्यान नहीं दिया, भवन जर्जर हुआ, अस्पताल खाली कर दिया गया और स्टाफ को दूसरी जगह तैनाती दे दी गई. गिंदौरहाट ब्यावरा से 17 किमी दूर और नरसिंगढ़ से 20 तथा सुठालिया से 12 किमी दूर स्थित है. ऐसे में यहां आसपास के गांव इसी कस्बे पर अपनी जरूरतों के लिए आते है. यहां प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को फिर से आबाद किया जाना चाहिए.

ग्रामीणों ने मांग की है कि इस स्थान पर फिर से नवीन अस्पताल भवन बनाया जाना चाहिए जिससे कि स्थानीय स्तर पर ग्रामीणों और आसपास के छोटे-छोटे गांवों को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिल सके.

15 साल पहले होता था इलाज

ग्रामीणों के अनुसार करीब 15 से 18 साल पहले इस भवन में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र संचालित होता था. एक नर्स यहां आती थी. बारिश के दौरान वायरल फीवर फैलने पर हां से दवाएं मिलती थी. लेकिन अब यह भवन वीरान है और लगातार जर्जर होता जा रहा है. गांव के युवक अजय यादव के अनुसार जहां कभी दवाएं मिलती थी वहां से अब सांप निकलते है. अस्पताल भवन की जर्जर बिल्डिंग के आसपास गोबर और कचरे का ढेर है. भवन पूरी तरह खण्डहर हो चुका है और चिंखारी पत्थरों की दीवार मात्र बची है. ऐसे में बारिश के दिनों में यहां सांप, बिच्छू जमा हो जाते है. गांव के लोगों के अनुसार कभी इस भवन से जीवन रच्छक दवाएं निकलती थी, अब विषैले सांप निकल रहे है. आसपास रहने वालों के घरों में ये जानवर प्रवेश कर जाते है. साथ ही बारिश में यह घूरा मच्छरों की पैदावार करता है.

आपात स्थिति में ब्यावरा, भोपाल की दौड़ लगानी पड़ती है

ग्रामीणों ने नवभारत से चर्चा के दौरान कहा कि आपात स्थिति में उन्हें ब्यावरा या भोपाल की ओर दौड़ लगानी पड़ती है. किसी को चोंट लगने, घायल होने, सामान्य तौर पर तबियत बिगड़ने जैसी हालत में यहां प्राथमिक उपचार की कोई सुविधा नहीं है. गांव में कुछ निजी चिकित्सक है लेकिन सरकारी स्तर पर जो अस्पताल होना चाहिए वह नहीं है और जो था उसकी हालत सरकारी अनदेखी ने घूरे के ढेर में तब्दील कर दी है.

मनमाने ढंग से चल रही मिट्ठनपुर शराब दुकान सील

सारंगपुर 22 फरवरी, सं. सारंगपुर तहसील में संचालित शराब दुकान में दुकानदार की मनमानी तथा शासन द्वारा जारी सेवा शर्तों के उल्लंधन के मामले में कलेक्टर के निर्देश पर आबकारी की टीम ने पचोर क्षेत्र के मिट्ठनपुर शराब दुकान को अनियमितता के मामले में सील कर दिया है. सील हुई दुकान में ग्राम पंचायत में शामिल है। कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत रिपोर्ट पर उक्त दुकान के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. बताया गया है कि दुकान लाइसेंसी ठेकेदार दुर्गा प्रसाद नागर के नाम से संचालित हो रही थी. जिसमें दुकानदार ने मप्र मद लिपिक नियमों के विपरीत अपनी मनमानी में दुकान का संचालन कर रहा था. आबकारी विभाग के अनुसार दुकान संचालक ने लायसेंस सेवा शर्तों का उल्लंघन किया था. आबकारी अधिकारी सौरभ कनासे ने बताया की पचोर क्षेत्र में कंपोजिट मदिरा दुकान मिट्ठनपुर 2026-27 लाइसेंसी दुर्गा प्रसाद नागर को ई टेंडर के माध्यम से आवंटित की गई है. इसके कंपोजिट लाइसेंसी मदिरा दुकान द्वारा साईनबोर्ड, खरीदी व ब्रिकी से सम्बंधित रजिस्टर में भी लापरवाही बरती है. सारंगपुर वृत्त प्रभारी का कहना है की कोई भी शराब ठेकेदार नियमों का उल्लंघन करेगा तो विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी.

सट्टा लगाते हुए पकड़ा

जीरापुर 22 अप्रैल, सं. नगर के आवास कालोनी छापीहेड़ा नाका के पास एक होटल पर सट्टा के अंक रजिस्टर में लिखते हुए जुआ सट्टा की हार-जीत कर रहे व्यक्ति को पुलिस ने पकड़ा. जिसके पास से सट्टा अंक रजिस्टर एवं नगदी 3850 रूपये जप्त किए. आरोपी हजारीलाल दांगी के खिलाफ जुआ एक्ट में थाना प्रभारी होकमसिंह मीना के निर्देश पर मामला दर्ज किया. कार्यवाही में दबिश एएसआई अरूण जाट एएसआई मधुसूदन शर्मा आरक्षक सुनील, सैनिक ईश्वर ने डाल कर आरोपी को थाने लाया गया था.

परशुराम तालाब के घाटों की सफाई की, पेड़ों पर सकोरे बांधे

नगर की पहचान और जलस्त्रोतों के रूप में सबसे पुरानी धरोहर को सहेजने अभियान चलाया

नवभारत न्यूज

नरसिंहगढ़ 22 अप्रैल, सं. विकासखण्ड नरसिंहगढ़ में सामूहिक समाज कार्यकर्ताओं द्वारा सराहनीय पहल करते हुए परशुराम तालाब के घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया. अभियान के तहत तालाब परिसर और मंदिर क्षेत्र की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया. इसके साथ ही भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए पेड़ों पर पानी से भरे सकोरे लटकाए गए, जिससे उन्हें राहत मिल सके. कार्यक्रम में जिला समन्वयक, ब्लॉक समन्वयक, प्रस्फुटन समिति के सदस्य सहित सीएमसीएलडीपी के छात्र एवं परामर्शदाता उपस्थित रहे. सभी ने मिलकर मानव स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया और नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने का संकल्प लिया. इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के तहत वन्य एवं पक्षियों के लिए जल की व्यवस्था करने का संदेश भी दिया गया. वक्ताओं ने कहा कि जब हम अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखते हैं, तो सबसे पहले हम अपनी सोच और विचारों को स्वच्छ बनाते हैं. अभियान के माध्यम से नागरिकों से अपील की गई कि वे भी समाज कार्य में भागीदारी निभाएं, ताकि आने वाली पीढ़ी को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिल सके.

राजमहल शाखा में उपलब्ध हुई सऊदी रियाल

हज यात्रियों के लिए खुशखबरी

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 22 अप्रैल, का. 7 इस वर्ष हज यात्रा पर जाने वाले जिले के अकीदतमंदों के लिए राहत भरी खबर है. यात्रियों को विदेशी मुद्रा के लिए अब भटकना नहीं पड़ेगा. भारतीय स्टेट बैंक की राजमहल शाखा में सऊदी अरब की स्थानीय मुद्रा रियाल उपलब्ध करा दी गई है. जिला हज ट्रेनर इरशाद खान एडवोकेट ने बताया कि मुद्रा विनिमय की सुविधा केवल उन्हीं यात्रियों को मिलेगी जिनका खाता भारतीय स्टेट बैंक में हैस इसके लिए निम्नलिखित औपचारिकताएं अनिवार्य हैंस यात्री का खाता जिले की किसी भी शाखा में होना चाहिए. खाते में पर्याप्त धनराशि उपलब्ध हो. खाता पैन कार्ड से लिंक हो और आधार अपडेट होना अनिवार्य है. दस्तावेजों में पासपोर्ट, कवर पेज और वीजा की फोटोकॉपी साथ लाना आवश्यक है. इरशाद खान के अनुसार, वर्तमान में एक रियाल की कीमत लगभग 25 रुपये 10 पैसे है. हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार के अनुसार रियाल की कीमत में प्रतिदिन उतार-चढ़ाव हो सकता है. नियमों के तहत एक हज यात्री अधिकतम 2.5 लाख (ढाई लाख) रुपये तक की राशि को रियाल में एक्सचेंज करवा सकता है.

भगवान देवनारायण की भव्य प्राण प्रतिष्ठा आज

नवभारत न्यूज

जीरापुर 22 अप्रैल, सं. देवनारायण मंदिर के नवनिर्माण उपरांत भगवान देवनारायण की प्राण प्रतिष्ठा पंच महोत्सव, पंचकुंडीय महायज्ञ में प्रतिदिन यज्ञ हवन वैदिक मंत्रोच्चारण आहुतियां के साथ-साथ भगवान देवनारायण का दूध और फूलों सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान के साथ अभिषेक किया गया. मुख्य यज्ञाचार्य पं. टीकाराम दुबे, प्रधान पं. अजय शर्मा नजरपुर उज्जैन तथा सहयोगी पंडितों में पं. पुरूषोत्तम दुबे, भैरूनाथ सुसनेर, धर्मेन्द्र दुबे, मनीष पाण्डे गुलाना, अश्विनी दुबे, बृजमोहन शर्मा भण्ड़ावद द्वारा सम्पूर्ण इस धार्मिक आयोजन में विधि-विधान से पुजा अर्चना से लेकर विभिन्न अनुष्ठान करवाये जा रहे, जिसमें मुख्य वेदी यजमान दिनेश गुर्जर, कलश चढ़ाने वाले मुख्य यजमान रामचंद्र गुर्जर, वेदी सहयोगी यजमान कमल गुर्जर, सूजानसिंह गुर्जर, सांवरिया गुर्जर, शोभाराम गुर्जर, हेमराज गुर्जर, पवन गुर्जर ऊंचावदा आहुतियां दे रहे. पुजारी ओमप्रकाश वैरागी एवं पण्डाजी कनीराम गुर्जर सहित समाजजन सहभागिता निभा रहे हैं.

जल संरक्षण भविष्य की सुरक्षा के लिए सबसे जरूरी

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 22 अप्रैल, का. विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर हमें अपनी पृथ्वी और प्राकृतिक संसाधनों के महत्व को समझने की आवश्यकता है. पृथ्वी पर लगभग तीन-चौथाई भाग जल से आच्छादित है, जिसमें से 97 प्रतिशत जल समुद्रों में खारे पानी के रूप में उपलब्ध है. शेष जल का बड़ा हिस्सा हिमालय में बर्फ के रूप में तथा भूगर्भ में संग्रहित है, लेकिन इसमें से मात्र 0.8 प्रतिशत जल ही पेयजल के रूप में उपयोग योग्य है.

साथ ही वर्षों से भूजल का अत्यधिक दोहन किया जा रहा है, लेकिन उसके पुनर्भरण के लिए वैज्ञानिक तकनीकों का पर्याप्त उपयोग नहीं हो रहा है. इसके परिणामस्वरूप कई विकासखंड क्रिटिकल और ओवर एक्सप्लॉइटेड श्रेणी में पहुंच चुके हैं, जिससे जल संकट की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है. यदि समय रहते जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में पानी की कमी, बढ़ता तापमान, मिट्टी का क्षरण, वनस्पति विकास में कमी और भूगर्भीय असंतुलन जैसी समस्याएं और अधिक विकराल रूप ले सकती हैं.

मंदिर के पीछे आग लगी, हड़कंप मचा

नवभारत न्यूज, ब्यावरा 22 अप्रैल, का. अपना नगर स्थित बाग वाले हनुमान मंदिर के पीछे खुली भूमि पर आग लग गई. घटना में जमीन पर फैले सूखे पत्ते और झाड़ियों में आग लग गई. इसके एक दिन पूर्व भी समीप के खेतों में पराली में आग लगने से सर्विस रोड़ तक आग फैल गई थी. मंदिर के पीछे आग पर पुजारी और आसपास के लोगों ने जैसे तैसे काबू पाया और मंदिर परिसर तक आग पहुंचने से रोका गया. सड़क से लगी झाड़ियां पूरी तरह जल गई. सौभाग्य से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई और वाहनों को नुकसान नहीं पहुंचा.

अहिरवार समाज के 22 जोड़ों ने थामा एक दूजे का हाथ

नवभारत न्यूज

खिलचीपुर 22 अप्रैल, सं. सोमवार को अहिरवार समाज द्वारा सातवा सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें 22 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया गया. शहर में अहिरवार समाज समिति द्वारा 22 जोड़े का रजिस्टेशन किया गया था जिसकी लगातार प्रशानिक अधिकारी को 22 जोड़े की सूची सौंपी गई थी.

अहिरवार समाज सामूहिक सम्मेलन में 22 जोड़ 18 से 21 वर्ष वर वधु विवाह सम्पन्न हुआ अहिरवार समाज समिति द्वारा आदर्श अहिरवार समाज सम्मेलन का सातवां अहिरवार समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन छोटा मेला ग्राउंड खिलचीपुर में संपन्न हुआ. सम्मेलन के दौरान मध्य प्रदेश और राजस्थान से आए अहिरवार समाज के 22 वर-वधुओं ने मंत्रोच्चार के पवित्र बंधन साथ फेरों की रस्म निभाई और एक दूजे का हाथ थामा. आयोजन में मंत्री गौतम टेटवाल, विधायक हजारीलाल दांगी, जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह गुर्जर और समिति अध्यक्ष प्रभुलाल सिकरवार मौजूद रहे. विवाह सम्मेलन में राजस्थान कोटा, बूंदी, झालावाड़, पटान, इकलेरा सहित राजगढ़ जिले के ब्यावरा नरसिंहगढ़ सारंगपुर पचोर खिलचीपुर जीरापुर माचलपुर आदि शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से लोग उपस्थित हुए उन सभी के द्वारा सामुहिक विवाह समिति के तत्वावधन में हुए संपूर्ण कार्यक्रम की प्रशंसा की गई.

स्वास्थ्य — जिला अस्पताल की ओटी में सर्जरी के दो सफल ऑपरेशन, उज्जैन की युवती का उपचार किया

नई ओटी में सर्जरी कर 9 साल के बच्चे के गले से गांठ निकाली

जिला अस्पताल में रफ्तार पकड़ रहीं आधुनिक सुविधाएं

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 22 अप्रैल, का. जिला चिकित्सालय के नवनिर्मित ऑपरेशन थिएटर में बुधवार को सीनियर सर्जन डॉ. अंकुर देशवाली ने दो जटिल ऑपरेशन कर मरीजों को राहत पहुंचाई है. अस्पताल में आधुनिक सुविधाओं के साथ ही शुरू हुए नए ऑपरेशन थिएटर में इस प्रकार के सफल ऑपरेशन होने से मरीजों और परिजनों में खुशी का माहौल देखा गया. प्राप्त जानकारी अनुसार जोया पिता फिरोज खान उम्र 9 वर्ष के गले में बड़ी गांठ हो गई थी. जिसे जिला चिकित्सालय उपचार के लिए लाया गया.

जहां डॉ. अंकुर देशवाली ने जांच के बाद सर्जरी करते हुए बच्ची के गले से गाठ को सुरक्षित बाहर निकाला. वहीं दूसरा मामला वैशाली जोशी 29 वर्ष निवासी उज्जैन का है. जिनके निचले होठ पर एक बडी गांठ थी. जिसके कारण उन्हें लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड रहा था. परिजनों ने बताया कि पूर्व में किसी अन्य सर्जन द्वारा ऑपरेशन किया गया था. लेकिन समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं हुई थी. इसके बाद वे जिला चिकित्सालय उपचार के लिए पहुंचे. जहां डॉ. देशवाली ने जांच कर ऑपरेशन किया. डी. देशवाली ने बताया कि समय पर जांच और उपचार से इस प्रकार की समस्याओं का समाधान संगव है. उन्होंने कहा कि शरीर में किसी भी प्रकार की गांठ, सूजन या अन्य लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें. उल्लेखनीय है कि जिला चिकित्सालय में लगातार बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलने से अब आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को राहत मिल रही है.

14 वर्षीय बालक की जटिल सर्जरी

नवभारत न्यूज, राजगढ़ 22 अप्रैल, का. जिला चिकित्सालय राजगढ़ ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए एक जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है. मंगलवार को 14 वर्षीय बालक हर्ष को गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसके बाएं हाथ की हड्डी में गंभीर फैक्चर था. बुधवार को आवश्यक जांच के उपरांत सर्जन डॉ. अदित अग्रवाल द्वारा बालक का सफल ऑपरेशन किया गया. ऑपरेशन के दौरान फैक्चर को सही तरीके से जोड़कर उसमें रॉड डाली गई, जिससे अब बालक की स्थिति स्थिर और बेहतर बताई जा रही है. प्राप्त जानकारी अनुसार इस प्रकार की सर्जरी सामान्यत निजी अस्पतालों में लगभग 25 हजार रुपये या उससे अधिक खर्च में होती है. लेकिन जिला चिकित्सालय में यह सुविधा उपलब्ध होने से मरीज एवं उनके परिजनों को बड़ी आर्थिक राहत मिली है. उल्लेखनीय है कि पूर्व में ऐसे जटिल मामलों में मरीजों को बड़े शहरों या उच्च स्तरीय अस्पतालों में रेफर किया जाता था. अब जिला चिकित्सालय में ही इस सुविधा की शुरुआत होने से स्थानीय स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण उपचार संभव हो सका है. स्थानीय नागरिकों ने जिला चिकित्सालय में लगातार बढ़ रही सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि इससे गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों को अब बेहतर इलाज सुलभ हो रहा है. साथ ही, मरीजों को अन्य शहरों की ओर जाने की आवश्यकता भी कम हो जाएगी.

जाहिर सूचना

मेरे पक्षकार श्री लखनसिहं दांगी की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता ओमप्रकाश शिवहरे पिता रमेशचंद्र शिवहरे व श्रीमति शशि पत्नि ओमप्रकाश शिवहरे के स्वत्व स्वामित्व के डायवर्शनशुदा मकान सर्वे नंबर 440/1 कुल रकबा 0.123 हैक्टर की भूमि में से 15x(35+32)/2=502.5 वर्गफीट पर निर्मित ढ़ाई मंजिला पक्का बना हुआ मकान स्थित वार्ड नंबर 10 जयप्रकाश मार्ग, क्लब ग्राउण्ड के पीछे ब्यावरा तहसील ब्यावरा जिला राजगढ़ को मेरे पक्षकार को विक्रय करने का लिखित अनुबंध दिनांक 01/12/2025 को निष्पादित किया गया था, जिसकी समय अवधि चार माह दिनांक 31/03/2026 को समाप्त हो चुकी है. लेकिन विक्रेता ओमप्रकाश शिवहरे व शशि शिवहरे के द्वारा अनुबंध पत्र का पालन नहीं किया जाकर आज दिनांक तक उपरोक्त वर्णित मकान का विक्रय पत्र मेरे पक्षकार के पक्ष में नहीं करवाया गया है. मेरे पक्षकार को ज्ञात हुआ है कि विक्रेता ओमप्रकाश शिवहरे व शशि शिवहरे के द्वारा उपरोक्त वर्णित विक्रयशुदा मकान को किसी अन्य व्यक्ति संस्था को बाला बाला विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा है. सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा ओमप्रकाश शिवहरे व शशि शिवहरे के उपरोक्त वर्णित मकान का सौदा किया जाता है तो वह प्रारम्भ से ही शून्य माना जावेगा, और मेरे पक्षकार संबंधित व्यक्ति संस्था के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेंग.

भवदीय
पं. चन्द्रकांत त्रिपाठी (एडव्होकेट)
ब्यावरा जिला राजगढ़ म.प्र